XLII.

CHANT .I.

Vɤ̄s | mĕ | tŭ | ɛ́s | sĭ | dɤ̄ | sĕ | mānt,
Ă | vę̄ | ĸĕ | tɤ̄r | māns | tānt | bĕ́ | nīns,
Kĕ | nĕ | sę̄ | ɕhœ̂ | zĕ | dĕ | dɤ̄ | sɐ̄r
Plū– | dɤ̂ | sĕ | ĸ'ę̂t | mă | dɤ̂ | sĕ | mœ̄rt. <·

RECHANT.

S'īl | fœ̂t | mɤ̆ | rīr, | mɤ̆ | rōn | d'ă | mɤ̄r ·><·

2.

Sī | ɻlo | ri | ɐs | ɹe | suis | d'ɛ́ | mɛ́r,
É | tant | sa | tis | fęt | tan | t u | res,
Ke | ɹe | priz | z' un | de | me | z an | nuis
San– | mil | le | bi ɛ́ns | d'ŭ | n' ô | tre | mɛ́in ·><·

3.

Puis | ĸe | si | dɤ | se | mant | ɹe | mɐr
A | vę | ĸe | tɤr | mans | tan– | bɛ́ | nins,
Je | ne | ɕhęr | ɕh' œ | ĸŭ | ne | dɤ | sɐr
Plu– | dɤ | se | ĸ'ę̂t | ma | dɤ | se | mœrt. ·><· <·